भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 289
दिनांक 03 फरवरी, 2023 को उत्तर के लिए

समेकित बाल विकास सेवा योजना को सुदृढ़ करना

289. श्री राहुल गांधी:

क्या **महिला और बाल विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) आकांक्षी जिलों, विशेषकर केरल के वायनाड जिले में समेकित बाल विकास सेवा(आईसीडीएस) योजना को सुदृढ़ करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं;
(ख) क्या मंत्रालय वायनाड संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में जनजातीय समुदायों में कुपोषण और रक्ताल्पता से निपटने के लिए लक्षित उपायों को कार्यान्वित करने की योजना बना रहा है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) केरल में आंगनवाड़ी केंद्रों का सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों के रूप में उन्नयन किए जाने के प्रस्ताव का जिला-वार ब्यौरा क्या है और वर्तमान वर्ष के दौरान इसके लिए कितनी धनराशि स्वीकृत की गई है; और
(ड.) वर्तमान वर्ष में वायनाड जिले में उन्नयन किए जाने के लिए प्रस्तावित 250 आंगनवाड़ी केंद्रों की वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी **महिला एवं बाल विकास मंत्री**

(क) : आंगनवाड़ी सेवाओं के अंतर्गत देश भर में (आकांक्षी जिलों सहित) आंगनवाड़ी सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए निम्नलिखित पहलें की गई हैं:

I. सक्षम आंगनवाड़ी के तहत, पोषण वितरण और आरंभिक बाल्यावस्था देखरेख और विकास सेवाओं में सुधार के लिए देश भर में प्रति वर्ष 40,000 आंगनवाड़ी केंद्रों की दर से 2 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों (एडब्ल्यूसी) में बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ और उन्नत किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2022-23 में सक्षम आंगनवाड़ी के रूप में उन्नयन के लिए 40,000 आंगनवाड़ी केन्द्रों की पहचान की गई है। इन 40,000 आंगनवाड़ी केंद्रों में से 250 आंगनवाड़ी केंद्रों को केरल के वायनाड जिले के लिए अनुमोदित किया गया है।
II. स्वच्छता कार्य योजना के तहत पेयजल एवं शौचालय की सुविधा का प्रावधान किया गया है। शौचालय/स्वच्छता सुविधा के लिए लागत मानदंड को 12,000/- रुपये से संशोधित कर 36,000/- रुपये

प्रति यूनिट कर दिया गया है, जबकि पेयजल सुविधाओं के लिए लागत मानक को 10,000/- रुपये प्रति यूनिट से संशोधित कर 17,000/- रुपये प्रति यूनिट कर दिया गया है।

III. वर्ष 2021-22 से 2025-26 के दौरान सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के तहत 50,000 आंगनवाड़ी केन्द्रों (शौचालय और पानी की सुविधा सहित) के निर्माण का प्रावधान किया गया है, ताकि उन आंगनवाड़ी केन्द्रों को लक्षित किया जा सके जो किराए के परिसरों या खुली जगहों पर चल रहे हैं।

IV. दक्ष सेवा प्रदायगी के लिए देश भर के आंगनवाड़ी केंद्रों को ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस (जीएमडी) और स्मार्ट फोन प्रदान किए गए हैं।

V. सुव्यवस्थित दिशानिर्देश 13.01.2021 को जारी किए गए थे, जिसमें पूरक पोषाहार वितरण में गुणवत्ता आश्वासन, कर्तव्य धारकों की भूमिका और जिम्मेदारियां, खरीद की प्रक्रिया, आयुष अवधारणाओं को एकीकृत करने और पारदर्शिता, दक्षता और जवाबदेही के लिए 'पोषण ट्रैकर' के माध्यम से डेटा प्रबंधन और निगरानी जैसे कई पहलुओं को शामिल किया गया था।

(ख) और (ग): पोषण अभियान 8 मार्च 2018 को शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य 6 साल से कम उम्र के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के पोषण की स्थिति में समयबद्ध तरीके से तालमेल और परिणामोन्मुख तरीके से सुधार करना है। इसके अतिरिक्त, मिशन पोषण 2.0, एक एकीकृत पोषण सहायता कार्यक्रम की घोषणा बजट 2021-2022 में सभी राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के लिए की गई है। पोषण अभियान एक बहु-मंत्रालयी अभिसरण मिशन है, इस नाते सामुदायिक गतिशीलता/संवेदीकरण के माध्यम से पोषण में सुधार के एजेंडे को जन आंदोलन में बदलने पर भी ध्यान केंद्रित करता है और इस प्रकार देश भर में पोषण से जुड़े व्यवहार में परिवर्तन लाता है। जन आंदोलन के तहत पोषण माह और पोषण पखवाड़ा क्रमशः सितंबर और मार्च के महीने में मनाया जाता है। जनजातीय मामलों के मंत्रालय के साथ अभिसरण में, महिलाओं और बच्चों के लिए पारंपरिक खाद्य पदार्थों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पोषण अभियान गतिविधियों का लाभ उठाया जा रहा है, जिससे एकलव्य स्कूलों को जनजातीय आबादी के बीच पोषण सीखने का केंद्र बनाया जा रहा है।

हाल ही में आयोजित सितंबर, 2022 में पोषण माह के दौरान पूरे भारत से पोषण पर कुल 17.57 करोड़ संवेदीकरण गतिविधियों का आयोजन किए जाने की सूचना मिली है। 182 जनजातीय जिलों में से (जैसा कि एमओटीए द्वारा रिपोर्ट किया गया है), भारत के 88% जनजातीय जिलों (161) ने पोषण माह, 2022 में सक्रिय रूप से भाग लिया है और कुल रिपोर्ट की गई गतिविधियों (3.17 करोड़) में 18% का योगदान दिया है। पोषण पखवाड़ा 2022 के दौरान, कुल रिपोर्ट की गई गतिविधियाँ 2.96 करोड़ थीं, जिसमें भारत के 85% जनजातीय जिलों (155) ने भाग लिया, जबकि कुल रिपोर्ट की गई गतिविधियों (35.84 लाख) में 12% का योगदान रहा। पोषण माह, 2022 के दौरान, वायनाड जिले में 2,764 गतिविधियां आयोजित की गईं, जबकि पोषण पखवाड़ा, 2022 के दौरान, 66 गतिविधियां आयोजित की गईं।

(घ) और (ड.): केरल (वायनाड जिले में) में सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों के रूप में उन्नयन के लिए मंत्रालय द्वारा कुल 250 आंगनवाड़ी केंद्रों को मंजूरी दी गई है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में इसके लिए 116.12 लाख रुपये जारी किए गए हैं। वर्तमान में इस निधि का उपयोग देय नहीं है।

*****